चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... दैनिक ट्रिब्यून .....

दिनांक 29.4.2021 पृष्ठ संख्या.....8.....कॉलम.....3-5.....

अनुसंधान के बेहतर परिणाम के लिए सामूहिक प्रयास कारगर : प्रो. कंबोज

रिफ्रेशर कोर्स का समापन, देशभर के 48 वैज्ञानिकों ने लिया हिस्सा

हिसार, 28 अप्रैल (निस)

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय द्वारा अनुसंधान प्रबंधन विषय पर आयोजित ऑनलाइन त्री-सप्ताह के रिफ्रेशर कोर्स के समापन पर वैज्ञानिकों को संबोधित करते हुए सीसीएचएयू के कुलपति प्रो. बीआर कंबोज ने कहा कि किसी भी अनुसंधान के बेहतर परिणामों को हासिल करने के लिए वैज्ञानिकों द्वारा किए जाने वाले सामूहिक प्रयास कारगर साबित होते हैं। इसलिए वैज्ञानिक विभिन्न संकायों व संस्थाओं के सहयोग से अनुसंधान को आगे बढ़ाएं ताकि किसान समुदाय को इनका अधिक से अधिक लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि वैश्विक कोरोना महामारी से उत्पन हुई परिस्थितयों से घबराने की बजाय इन्हें अवसर में बदलने का समय है। इसलिए यह केवल दिनांक बदलने का समय नहीं है, बल्कि दिशा बदलने का समय है। उन्होंने कहा कि यह सब वैज्ञानिकों के सकारात्मक रवैये, विश्वास, लक्ष्य और दृढ़ संकल्प से ही संभव हो सकता है। इस कोर्स से हासिल ज्ञान को प्रतिभागी व्यावहारिक रूप से अपनाते हुए इसका अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

पाठ्यक्रम संयोजिका डॉ. मंजू मेहता ने प्रतिभागियों व रिफ्रेशर कोर्स के दौरान करवाई गई गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि इसमें देशभर के 48 कृषि वैज्ञानिकों ने हिस्सा लिया, जिसमें से 27 हरियाणा कृषि विवि और 21 वैज्ञानिक देश के विभिन्न राज्यों पंजाब, उत्तरप्रदेश, आंध्रप्रदेश, महाराष्ट्र एवं छत्तीसगढ़ से थे। इस दौरान उत्तर प्रदेश के कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी स्कूल से सहायक प्राध्यापक डॉ. रिचा खन्ना, सहायक निदेशक (बागवानी) डॉ. सुरेश धानियां एवं सस्य विज्ञान विभाग से डॉ. अनिल कुमार ढाका ने इस प्रशिक्षण के आयोजन में विशेष सहयोग दिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक सवेरा.....

दिनांक 29.4.2021....पृष्ठ संख्या.....3.....कॉलम.....4-6.....

हकृवि में रिफ्रैशर कोर्स समापन

- **देशभर के वैज्ञानिकों ने लिया हिस्सा**
- **कुलपति ने कहा, अनुसंधान के बेहतर परिणामों के लिए सामूहिक प्रयास कारगर**

हिसार, 28अप्रैल (सुरेंद्र सोढी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफैसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि किसी भी अनुसंधान के बेहतर परिणामों को हासिल करने के लिए वैज्ञानिकों द्वारा किए जाने वाले सामूहिक प्रयास कारगर साबित होते हैं। इसलिए वैज्ञानिक विभिन्न संकायों व संस्थाओं के सहयोग से अनुसंधान को आगे बढ़ाएं ताकि किसान समुदाय को इनका अधिक से अधिक लाभ मिल सके।

कुलपति मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की ओर से अनुसंधान प्रबंधन विषय पर ऑनलाइन माध्यम से आयोजित तीन सप्ताह के रिफ्रैशर कोर्स के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि वैश्विक कोरोना महामारी से उत्पन हुई परिस्थितयों से घबराने की बजाए इन्हें अवसर में बदलने का समय है। इसलिए यह केवल दिनांक बदलने का समय नहीं है बल्कि दिशा बदलने का समय है। उन्होंने कहा कि यह सब वैज्ञानिकों के सकारात्मक रवैये, विश्वास, लक्ष्य और दृष्ढ़ संकल्प से ही संभव हो सकता है। इस कोर्स से हासिल ज्ञान को प्रतिभागी व्यावहारिक रूप से अपनाते हुए इसका अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

प्रतिभागियों को ऑनलाइन माध्यम से संबोधित करते मुख्यातिथि एवं अन्य।

देशभर से 48 कृषि वैज्ञानिकों ने लिया भाग

पाठ्यक्रम संयोजिका डा. मंजू मेहता ने प्रतिभागियों व अतिथियों का स्वागत किया और रिफ्रेशर कोर्स के दौरान कराई गई गतिविधियों के बारे में विस्तापूर्वक जानकारी दी। इस पाठ्यक्रम में 48 प्रतिभागियों ने देशभर से हिस्सा लिया, जिसमें से 27 प्रतिभागी हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और 21 प्रतिभागी देश के विभिन्न राज्यों पंजाब, उत्तरप्रदेश, आंध्रप्रदेश, महाराष्ट्र एवं छत्तीसगढ़ से थे। पाठ्यक्रम संयोजिका डा. अंजू कुमारी ने मंच का संचालन करते हुए धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। इस दौरान उत्तर प्रदेश के कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी स्कूल से सहायक प्राध्यापक डा. रिचा खन्ना, सहायक निदेशक, बागवानी डा. सुरेश धानियां एवं सस्य विज्ञान विभाग से डा. अनिल कुमार ढाका ने इस प्रशिक्षण के सफल आयोजन में विशेष सहयोग दिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........दैनिक भास्कर........

दिनांक 29.4.2021....पृष्ठ संख्या.....2.........कॉलम.....5-8.......

एचएयू में रिफ्रेशर कोर्स का समापन, देशभर के वैज्ञानिकों ने लिया हिस्सा, वीसी ने कहा-

वैश्विक कोरोना महामारी से उत्पन्न हालातों से घबराने की बजाय अवसर में बदलने का समय

भास्कर न्यूज़। हिसार

किसी भी अनुसंधान के बेहतर परिणामों को हासिल करने के लिए वैज्ञानिकों द्वारा किए जाने वाले सामूहिक प्रयास कारगर साबित होते हैं। इसलिए वैज्ञानिक विभिन्न संकायों और संस्थाओं के सहयोग से अनुसंधान को आगे बढ़ाएं ताकि किसान समुदाय को इनका अधिक से अधिक लाभ मिल सके।ये विचार एचएयू के वीसी प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने व्यक्त किए।

वे मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की ओर से अनुसंधान प्रबंधन विषय पर ऑनलाइन माध्यम से आयोजित तीन सप्ताह के रिफ्रेशर कोर्स के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि वैश्विक कोरोना महामारी से उत्पन्न हुई परिस्थितियों से घबराने की बजाए इन्हें अवसर में बदलने का समय है। इसलिए यह केवल दिनांक बदलने का समय नहीं है बल्कि दिशा बदलने का समय है। उन्होंने कहा कि यह सब वैज्ञानिकों के सकारात्मक रवैये, विश्वास, लक्ष्य और दृढ़ संकल्प से ही संभव हो सकता है।

एचएयू में ऑनलाइन संबोधित करते मुख्यातिथि एवं अन्य।

इस कोर्स से हासिल ज्ञान को प्रतिभागी व्यावहारिक रूप से अपनाते हुए इसका अधिक से अधिक लाभ उठाएं। साथ ही यहां से सीखी गई इन तकनीकों के उपयोग से वैज्ञानिकों को विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों व तकनीकों को विकसित करने में मदद मिलेगी जो किसानों के लिए भी फायदेमंद होंगी।

मुख्यातिथि ने इस कोर्स में शामिल राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के वैज्ञानिकों की सराहना की। स्नातकोत्तर अधिष्ठाता एवं मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने वर्तमान समय में अनुसंधान प्रबंधन को लेकर वैज्ञानिकों से आधुनिक तकनीकों से सामंजस्य बैठाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक स्वयं को नई-नई तकनीकों के साथ जोड़ें ताकि वे अनुसंधान के क्षेत्र में मौजूदा परिस्थितियों को ध्यान में रखकर बेहतर तरीके से कार्य कर सकें।

देशभर से 48 कृषि वैज्ञानिकों ने लिया भाग

पाठ्यक्रम संयोजिका डॉ. मंजू मेहता ने प्रतिभागियों व अतिथियों का स्वागत किया और रिफ्रेशर कोर्स के दौरान कराई गई गतिविधियों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। इस पाठ्यक्रम में 48 प्रतिभागियों ने देशभर से हिस्सा लिया, जिसमें से 27 प्रतिभागी हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और 21 प्रतिभागी देश के विभिन्न राज्यों पंजाब, उत्तरप्रदेश, आंध्रप्रदेश, महाराष्ट्र एवं छत्तीसगढ़ से थे। पाठ्यक्रम संयोजिका डॉ. अंजू कुमारी ने मंच का संचालन करते हुए धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। इस दौरान उत्तर प्रदेश के कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी स्कूल से सहायक प्राध्यापक डॉ. रिचा खन्ना, सहायक निदेशक(बागवानी) डॉ. सुरेश धानियां एवं सस्य विज्ञान विभाग से डॉ. अनिल कुमार ढाका ने इस प्रशिक्षण के सफल आयोजन में विशेष सहयोग दिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पंजाब केसरी.....

दिनांक 29.4.2021...पृष्ठ संख्या.....3.....कॉलम....1-3.....

'अनुसंधान के बेहतर परिणामों के लिए सामूहिक प्रयास कारगर : प्रो. काम्बोज'

हिसार, 28 अप्रैल (पंकेस): किसी भी अनुसंधान के बेहतर परिणामों को हासिल करने के लिए वैज्ञानिकों द्वारा किए जाने वाले सामूहिक प्रयास कारगर साबित होते हैं। इसलिए वैज्ञानिक विभिन्न संकायों व संस्थाओं के सहयोग से अनुसंधान को आगे बढ़ाएं, ताकि किसान समुदाय को इनका अधिक से अधिक लाभ मिल सके। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की ओर से अनुसंधान प्रबंधन विषय पर ऑनलइन माध्यम से आयोजित 3 सप्ताह के रिफ्रैशर कोर्स के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि वैश्विक कोरोना महामारी से उत्पन हुई परिस्थितयों से घबराने की बजाए, इन्हें अवसर में बदलने का समय है। इसलिए यह केवल दिनांक बदलने का समय नहीं, दिशा बदलने का समय है। उन्होंने कहा कि यह सब वैज्ञानिकों के सकारात्मक रवैये, विश्वास, लक्ष्य और दृढ़ संकल्प से ही संभव हो सकता है। स्नातकोत्तर अधिष्ठाता एवं मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने वर्तमान समय में अनुसंधान प्रबंधन को लेकर वैज्ञानिकों से आधुनिक तकनीकों से सांमजस्य बैठाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक स्वयं को नई-नई तकनीकों के साथ जोड़ें, ताकि वे अनुसंधान के क्षेत्र में मौजूदा परिस्थितियों को ध्यान में रखकर बेहतर तरीके से कार्य कर सकें।

प्रतिभागियों को ऑनलाइन माध्यम से संबोधित करते मुख्यातिथि एवं अन्य।

देशभर से 48 कृषि वैज्ञानिकों ने लिया भाग: पाठ्यक्रम संयोजिका डॉ. मंजू मेहता ने प्रतिभागियों व अतिथियों का स्वागत किया और रिफ्रैशर कोर्स के दौरान कराई गई गतिविधियों के बारे में विस्तापूर्वक जानकारी दी। इस पाठ्यक्रम में 48 प्रतिभागियों ने देशभर से हिस्सा लिया। इनमें से 27 प्रतिभागी हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और 21 प्रतिभागी देश के विभिन्न राज्यों पंजाब, उत्तरप्रदेश, आंध्रप्रदेश, महाराष्ट्र एवं छत्तीसगढ़ से थे। पाठ्यक्रम संयोजिका डॉ. अंजू कुमारी ने मंच का संचालन करते हुए धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया।

इस दौरान उत्तर प्रदेश के कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी स्कूल से सहायक प्राध्यापक डॉ. रिचा खन्ना, सहायक निदेशक (बागवानी) डॉ. सुरेश धानियां एवं सस्य विज्ञान विभाग से डॉ. अनिल कुमार ढाका ने इस प्रशिक्षण के सफल आयोजन में विशेष सहयोग दिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक जागरण.....

दिनांक 29.4.2021...पृष्ठ संख्या.....3.....कॉलम.....1.2.....

अनुसंधान के बेहतर परिणामों के लिए सामूहिक प्रयास कारगर

हिसार : किसी भी अनुसंधान के बेहतर परिणामों को हासिल करने के लिए वैज्ञानिकों द्वारा किए जाने वाले सामूहिक प्रयास कारगर साबित होते हैं। इसलिए वैज्ञानिक विभिन्न संकायों व संस्थाओं के सहयोग से अनुसंधान को आगे बढ़ाएं। किसान समुदाय को इनका अधिक से अधिक लाभ मिल सके। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने कहे। वे मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की ओर से अनुसंधान प्रबंधन विषय पर ऑनलाइन माध्यम से आयोजित तीन सप्ताह के रिफ्रेशर कोर्स के समापन अवसर पर बतौर मुख्यअतिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि वैश्विक कोरोना महामारी से उत्पन्न हुई परिस्थितियों से घबराने की बजाए इन्हें अवसर में बदलने का समय है। इसलिए यह केवल तारिख बदलने का समय नहीं है। उन्होंने कहा कि यह सब वैज्ञानिकों के सकारात्मक रवैये, विश्वास, लक्ष्य और दृष्ढ़ संकल्प से ही संभव हो सकता है। स्नातकोत्तर अधिष्ठाता एवं मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के निदेशक डा. अतुल ढींगड़ा ने वर्तमान समय में अनुसंधान प्रबंधन को लेकर वैज्ञानिकों से आधुनिक तकनीकों से सांमजस्य बैठाने का आह्वान किया।

कुलपति प्रोफ़ेसर बीआर कंबोज। जागरण आर्काइव

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष	28.4.2021		

एचएयू कृषि विज्ञान केंद्रों पर लगावाएगा मेगा वैक्सीनेशन कैम्प : बी.आर. काम्बोज

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 28 अप्रैल : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार प्रदेश के प्रत्येक जिले में स्थापित अनुसंधान एवं कृषि विज्ञान केंद्र पर मई माह में मेगा वैक्सीनेशन कैम्प आयोजित करेगा। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से उक्त फैसला लगातार बढ़ रहे कोरोना संक्रमण को ध्यान में रखते हुए लिया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय सदैव किसानों के हित के लिए समर्पित है और इसी कड़ी में उक्त फैसला लिया गया है। उन्होंने बताया कि कैम्प के सफल आयोजन के लिए सभी कृषि विज्ञान एवं अनुसंधान केंद्रों के इंचार्जों को इस बारे में केंद्र द्वारा गोद लिए गए नजदीकी गांवों के किसानों व केंद्र के कर्मचारियों की एक सूची तैयार करने के आदेश दिए हैं, जिनको टीकाकरण नहीं किया गया है। इसके लिए संबंधित जिला प्रशासन, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, नोडल ऑफिसर से वैक्सीन की उपलब्धता और तकनीकी सहायता के लिए संपर्क करने के भी आदेश दिए हैं। उन्होंने कैम्प के सफल आयोजन के लिए एक वैज्ञानिक की नोडल अधिकारी के रूप में ड्यूटी लगाने और सभी तैयारियों की रिपोर्ट मुख्यालय में देने के निर्देश दिए। कैम्प के दौरान राज्य व केंद्र सरकार द्वारा जारी हिदायतों की पूरी तरह से पालना की जाएगी। इस अभियान के लिए विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास को जिम्मेदारी सौंपी गई है। कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर में कर्मचारियों, उनके परिजनों व विद्यार्थियों के लिए अब तक सात वैक्सीनेशन कैम्प आयोजित किए जा चुके हैं। इसके अलावा पिछले एक सप्ताह में कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए छह टेस्टिंग कैम्प भी लगाए गए हैं। साथ ही कोरोना वैक्सीन लगवाने के लिए भी प्रेरित करेंगे। इसमें युवाओं, महिलाओं व किसानों को प्रमुखता से जागरूक किया जाएगा। कुलपति महोदय ने बताया कि अगर जिला प्रशासन को विश्वविद्यालय के स्वयंसेवकों की किसी भी प्रकार से कोरोना काल के चलते सहयोग की जरूरत पड़ी तो हर संभव मदद की जाएगी। इसके अलावा जितने भी कैम्प आयोजित किए जाएंगे, सभी में जिला प्रशासन का सहयोग लिया जाएगा। इससे पहले भी जितने कैम्प आयोजित किए गए हैं, सभी जिला प्रशासन के सहयोग से ही किए गए हैं, इसके लिए भी उनका आभार व्यक्त करते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	29.04.2021	--	--

फसल विविधिकरण को बढ़ावा दें किसान : कुलपति

हिसार/29 अप्रैल/रिपोर्टर

वर्तमान समय में फसल उत्पादन बढ़ाने के चक्कर में प्रतिदिन रसायनों के अंधाधूंध प्रयोग व जल दोहन से प्राकृतिक संसाधन नष्ट हो रहे हैं। साथ ही भूमि की उर्वरा शक्ति भी घट रही है। इसलिए वैज्ञानिकों को अनुसंधान कार्य करते समय प्राकृतिक संसाधनों के उचित संरक्षण का विशेष ध्यान रखना होगा। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय में ऑनलाईन माध्यम से आयोजित विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, विस्तार विशेषज्ञों एवं हरियाणा सरकार के कृषि अधिकारियों की वर्कशॉप (खरीफ) को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुनीता मिश्रा विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रही। कार्यशाला में कृषि महानिदेशक डॉ. हरदीप सिंह, आईएएस भी मौजूद रहे। मुख्यातिथि ने कहा कि वैज्ञानिकों का दायित्व बनता है कि वे किसानों को भूमि की उर्वरा शक्ति बनाए रखने और मिट्टी में सूक्ष्म तत्वों की कमी को पूरा करने के लिए जागरूक करें। उन्होंने किसानों से फसल विविधिकरण को बढ़ावा देने की अपील की ताकि उनकी आमदनी में इजाफा हो सके। परम्परागत खेती से लागत अधिक व आमदनी कम होती है। इसलिए किसान फसल चक्र को अपनाएं। कुलपति ने भविष्य में इस तरह की कार्यशाला में प्रदेश के प्रगतिशील किसानों को भी शामिल करने का आह्वान किया ताकि प्रदेश के अन्य किसानों को भी इनकी सफलता से प्रेरणा मिल सके। उन्होंने जल संरक्षण के लिए विभिन्न फसलों की बैड प्लांटिंग प्रणाली अपनाने पर जोर दिया। इस अवसर पर कुलपति ने विश्वविद्यालय द्वारा विकसित विभिन्न किस्मों का खाद्य सुरक्षा में निरंतर योगदान नामक पुस्तक का भी विमोचन किया। सुनीता मिश्रा ने कहा कि मौजूदा समय में प्रदेश सरकार के सामने जल संरक्षण और फसल अवशेष प्रबंधन की समस्या ज्वलनशील मुद्दा है। राज्य सरकार ने जल संरक्षण और फसल विविधिकरण के लिए मेरा पानी मेरी विरासत नामक योजना लागू की है जो बहुत ही कारगर साबित हो रही है। इसके अलावा फसल अवशेष प्रबंधन के लिए भी सरकार की ओर से कदम उठाए जा रहे हैं। कृषि महानिदेशक डॉ. हरदीप सिंह, आईएएस ने कहा कि किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए प्रदेश सरकार प्रयासरत है। ऐसे में कृषि अधिकारी किसानों को परम्परागत खेती की बजाय आधुनिक खेती के तौर तरीकों व नवीनतम तकनीकों की जानकारी देते हुए उन्हें जागरूक करें। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा रबी व खरीफ फसलों में कीटनाशकों व उनके प्रयोग के लिए की गई सिफारिशें बहुत ही कारगर हैं। इसलिए किसानों को इन्हें अवश्य अपनाना चाहिए। विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास ने बताया कि इस वर्कशॉप का आयोजन विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न फसलों के लिए की गई सिफारिशों पर मंथन करते हुए कुछ नई सिफारिशों को लागू करवाने को लेकर किया गया है। अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई विभिन्न फसलों की नई किस्मों की जानकारी देते हुए मौजूदा समय में चल रहे अनुसंधान कार्यों के बारे में बताया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरियाणा की आवाज	**28.04.2021**	--	--

हरियाणा की आवाज़

एचएयू कृषि विज्ञान केंद्रों पर लगावाएगा मेगा वैक्सीनेशन कैम्प

किसानों के हित के लिए समर्पित है विश्वविद्यालय: कुलपति बी.आर. काम्बोज

हिसार(एस.जैन)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार प्रदेश के प्रत्येक जिले में स्थापित अनुसंधान एवं कृषि विज्ञान केंद्र पर मई माह में मेगा वैक्सीनेशन कैम्प आयोजित करेगा। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से उक्त फैसला लगातार बढ़ रहे कोरोना संक्रमण को ध्यान में रखते हुए लिया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय सदैव किसानों के हित के लिए समर्पित है और इसी कड़ी में उक्त फैसला लिया गया है। उन्होंने बताया कि कैम्प के सफल आयोजन के लिए सभी कृषि विज्ञान एवं अनुसंधान केंद्रों के इंचार्जों को इस बारे में केंद्र द्वारा गोद लिए गए नजदीकी गांवों के किसानों व केंद्र के कर्मचारियों की एक सूची तैयार करने के आदेश दिए है, जिनको टीकाकरण नहीं किया गया है। इसके लिए संबंधित जिला प्रशासन, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, नोडल ऑफिसर से वैक्सीन की उपलब्धता और तकनीकी सहायता के लिए संपर्क करने के भी आदेश दिए है। उन्होंने कैम्प के सफल आयोजन के लिए एक वैज्ञानिक की नोडल अधिकारी के रूप में ड्यूटी लगाने और सभी तैयारियों की रिपोर्ट मुख्यालय में देने के निर्देश दिए। कैम्प के दौरान राज्य व केंद्र सरकार द्वारा जारी हिदायतों की पूरी तरह से पालना की जाएगी। इस अभियान के लिए विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

जिले के गांवों में भी मनाएगा टीका उत्सव

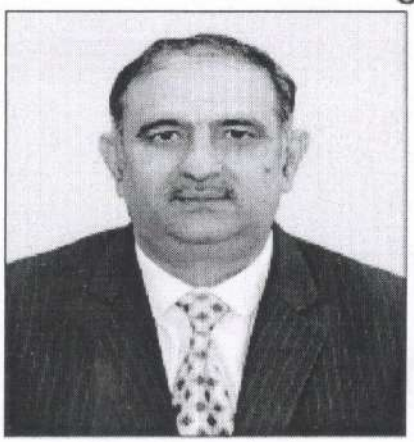

कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर में कर्मचारियों, उनके परिजनों व विद्यार्थियों के लिए अब तक सात वैक्सीनेशन कैम्प आयोजित किए जा चुके हैं। इसके अलावा पिछले एक सप्ताह में कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए छह टेस्टिंग कैम्प भी लगाए गए हैं। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय की रेडक्रॉस इकाई द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में लड़के व लड़कियों के छात्रावासों में दो वैक्सीनेशन कैम्प आयोजित किए जाएंगे, जिसके लिए छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया को जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने बताया कि इसी प्रकार एनएसएस इकाई द्वारा विभिन्न गांवों में पांच कैम्प लगाए जाएंगे। इन सभी कैम्पों में एनसीसी के कैडेट कोरोना महामारी के लिए केंद्र व राज्य सरकार की हिदायतें जैसे मास्क पहनना, सामाजिक दूरी व सेनेटाइजेशन की पालना के लिए सहयोग करेंगे। विश्वविद्यालय के रेडक्रॉस इकाई, एनएसएस व एनसीसी इकाई के स्वयंसेवक इस अभियान की सफलता के लिए लोगों को प्रेरित करेंगे। उन्होंने बताया कि ये सभी स्वयंसेवक अपने-अपने गांवों व उन सभी स्थानों के माध्यम से जहां वे रहते हैं, लोगों को कोरोना के प्रति जागरूक करेंगे। साथ ही कोरोना वैक्सीन लगवाने के लिए भी प्रेरित करेंगे। इसमें युवाओं, महिलाओं व किसानों को प्रमुखता से जागरूक किया जाएगा।

जिला प्रशासन का करेंगे सहयोग

कुलपति महोदय ने बताया कि अगर जिला प्रशासन को विश्वविद्यालय के स्वयंसेवकों की किसी भी प्रकार से कोरोना काल के चलते सहयोग की जरूरत पड़ी तो हर संभव मदद की जाएगी। इसके अलावा जितने भी कैम्प आयोजित किए जाएंगे, सभी में जिला प्रशासन का सहयोग लिया जाएगा। इससे पहले भी जितने कैम्प आयोजित किए गए है, सभी जिला प्रशासन के सहयोग से ही किए गए है, इसके लिए भी उनका आभार व्यक्त करते है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	29.04.2021	--	--

एचएयू में रिफ्रेशर कोर्स का समापन, देशभर के वैज्ञानिकों ने लिया हिस्सा

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। किसी भी अनुसंधान के बेहतर परिणामों को हासिल करने के लिए वैज्ञानिकों द्वारा किए जाने वाले सामूहिक प्रयास कारगर साबित होते हैं। इसलिए वैज्ञानिक विभिन्न संकायों व संस्थाओं के सहयोग से अनुसंधान को आगे बढ़ाएं ताकि किसान समुदाय को इसका अधिक से अधिक लाभ मिल सके। ये विचार हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की ओर से अनुसंधान प्रबंधन विषय पर ऑनलाइन माध्यम से आयोजित तीन सप्ताह के रिफ्रेशर कोर्स के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि वैश्विक कोरोना महामारी से उत्पन्न हुई परिस्थितियों से घबराने की बजाए इन्हें अवसर में बदलने का समय है। इसलिए यह केवल दिनांक बदलने का समय नहीं है बल्कि दिशा बदलने का समय है। उन्होंने कहा कि यह सब वैज्ञानिकों के सकारात्मक रवैये, विश्वास, लक्ष्य और दृढ़ संकल्प से ही संभव हो सकता है। मुख्यातिथि ने इस कोर्स में शामिल राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के वैज्ञानिकों की सराहना की। स्नातकोत्तर अधिष्ठाता एवं मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने वर्तमान समय में अनुसंधान प्रबंधन को लेकर वैज्ञानिकों से आधुनिक तकनीकों से सामंजस्य बैठाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक स्वयं को नई-नई तकनीकों के साथ जोड़ें ताकि वे अनुसंधान के क्षेत्र में मौजूदा परिस्थितियों को ध्यान में रखकर बेहतर तरीके से कार्य कर सकें।

हिसार। प्रतिभागियों को ऑनलाइन माध्यम से संबोधित करते मुख्यातिथि एवं अन्य।

देशभर से 48 कृषि वैज्ञानिकों ने लिया भाग

पाठ्यक्रम संयोजिका डॉ. मंजू मेहता ने कहा कि इस पाठ्यक्रम में 48 प्रतिभागियों ने देशभर से हिस्सा लिया, जिसमें से 27 प्रतिभागी हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और 21 प्रतिभागी देश के विभिन्न राज्यों पंजाब, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र एवं छत्तीसगढ़ से थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष	29.04.2021	--	--

दो दिन बंद रहेगी एचएयू, किया जाएगा सेनेटाइज : बी. आर. काम्बोज

कमेटी गठित, निगरानी में चलेगा सेनेटाइजेशन अभियान

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 29 अप्रैल : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार को आगामी दो दिनों के लिए बंद करने का फैसला लिया है। यह फैसला विश्वविद्यालय के विभिन्न कार्यालयों और कॉलेजों में अचानक बढ़े कोरोना संक्रमितों की संख्या को देखते हुए लिया गया है। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने बताया इन दो दिनों के दौरान पूरे विश्वविद्यालय परिसर को सेनेटाइज कराया जाएगा। इसके लिए विश्वविद्यालय में एक कमेटी का भी गठन किया गया है, जिसमें कैंपस अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी, मुख्य सुरक्षा अधिकारी और सहायक कुलसचिव शामिल होंगे। यह सेनेटइजेशन अभियान इस कमेटी की निगरानी में चलाया जाएगा।

उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत ऑनलाइन माध्यम से होने वाली कृषि अधिकारी कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। हालांकि इस दौरान केंद्र व राज्य सरकार की सभी हिदायतों का सख्ती से पालन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा कोविड-19 को लेकर केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पहले से ही पालन किया जा रहा है, ताकि कोरोना संक्रमण को रोका जा सके। इसके अलावा कर्मचारियों से कार्यालय में बैठने की व्यवस्था इस प्रकार करने को कहा गया है कि उनके बीच की दूरी 6 फीट अनिवार्य हो। साथ ही मास्क व सेनेटाइजेशन का भी विशेष ध्यान रखा जाएगा और अगर किसी कार्यालय में कोरोना केस मिलता है तो उसकी सूचना तुरंत नियंत्रण अधिकारी को देनी होगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	29.4.2021	--	--

दो दिन बंद रहेगी एचएयू, किया जाएगा सेनेटाइज : कुलपति

हैलो हिसार न्यूज

हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार को आगामी दो दिनों के लिए बंद करने का फैसला लिया है। यह फैसला विश्वविद्यालय के विभिन्न कार्यालयों और कॉलेजों में अचानक बढ़े कोरोना संक्रमितों की संख्या को देखते हुए लिया गया है। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने बताया इन दो दिनों के दौरान पूरे विश्वविद्यालय परिसर को सेनेटाइज कराया जाएगा। इसके लिए विश्वविद्यालय में एक कमेटी का भी गठन किया गया है, जिसमें कैंपस अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी, मुख्य सुरक्षा अधिकारी और सहायक कुलसचिव शामिल होंगे। यह सेनेटइजेशन अभियान इस कमेटी की निगरानी में चलाया जाएगा। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत ऑनलाइन माध्यम से होने वाली कृषि अधिकारी कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। हालांकि इस दौरान केंद्र व राज्य सरकार की सभी हिदायतों का सख्ती से पालन किया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा	28.04.2021	--	--

समस्त हरियाणा — बुधवार, 28 अप्रैल, 2021

परिस्थितियों से घबराने की बजाय इन्हें अवसर में बदलने का समय : प्रो. काम्बोज

एचएयू में रिफ्रेशर कोर्स का समापन, देशभर के वैज्ञानिकों ने लिया हिस्सा

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। किसी भी अनुसंधान के बेहतर परिणामों को हासिल करने के लिए वैज्ञानिकों द्वारा किए जाने वाले सामूहिक प्रयास कारगर साबित होते हैं। इसलिए वैज्ञानिक विभिन्न संकायों व संस्थाओं के सहयोग से अनुसंधान को आगे बढ़ाएं ताकि किसान समुदाय को इनका अधिक से अधिक लाभ मिल सके।

ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की ओर से अनुसंधान प्रबंधन विषय पर ऑनलाइन माध्यम से आयोजित तीन सप्ताह के रिफ्रेशर कोर्स के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि वैश्विक कोरोना महामारी से उत्पन हुई परिस्थितयों से घबराने की बजाए इन्हें अवसर में बदलने का समय है। इसलिए यह केवल दिनांक बदलने का समय नहीं है बल्कि दिशा बदलने का समय है।

उन्होंने कहा कि यह सब वैज्ञानिकों के सकारात्मक रवैये, विश्वास, लक्ष्य और दृष्ढ़ संकल्प से ही संभव हो सकता है। इस कोर्स से हासिल ज्ञान को प्रतिभागी व्यावहारिक रूप से अपनाते हुए इसका अधिक से अधिक लाभ उठाएं। साथ ही यहां से सीखी गई इन तकनीकों के उपयोग से वैज्ञानिकों को विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों व तकनीकों को विकसित करने में मदद मिलेगी जो किसानों के लिए भी फायदेमंद होंगी। मुख्यातिथि ने इस कोर्स में शामिल राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के वैज्ञानिकों की सराहना की। स्नातकोत्तर अधिष्ठाता एवं मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने वर्तमान समय में अनुसंधान प्रबंधन को लेकर वैज्ञानिकों से आधुनिक तकनीकों से सांमजस्य बैठाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक स्वयं को नई-नई तकनीकों के साथ जोड़ें ताकि वे अनुसंधान के क्षेत्र में मौजूदा परिस्थितियों को ध्यान में रखकर बेहतर तरीके से कार्य कर सकें।

देशभर से 48 कृषि वैज्ञानिकों ने लिया भाग

पाठ्यक्रम संयोजिका डॉ. मंजू मेहता ने प्रतिभागियों व अतिथियों का स्वागत किया और रिफ्रेशर कोर्स के दौरान कराई गई गतिविधियों के बारे में विस्तापूर्वक जानकारी दी। इस पाठ्यक्रम में 48 प्रतिभागियों ने देशभर से हिस्सा लिया, जिसमें से 27 प्रतिभागी हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और 21 प्रतिभागी देश के विभिन्न राज्यों पंजाब, उत्तरप्रदेश, आंध्रप्रदेश, महाराष्ट्र एवं छत्तीसगढ़ से थे। पाठ्यक्रम संयोजिका डॉ. अंजू कुमारी ने मंच का संचालन करते हुए धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। इस दौरान उत्तर प्रदेश के कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी स्कूल से सहायक प्राध्यापक डॉ. रिचा खन्ना, सहायक निदेशक(बागवानी) डॉ. सुरेश धानियां एवं सस्य विज्ञान विभाग से डॉ. अनिल कुमार ढाका ने इस प्रशिक्षण के सफल आयोजन में विशेष सहयोग दिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी / दिल्ली	29.04.2021	--	--

पंजाब केसरी

6/12

प्राकृतिक संसाधनों का उचित संरक्षण समय की मांग

हिसार, राज पराशर (पंजाब केसरी) : वर्तमान समय में फसल उत्पादन बढ़ाने के चक्कर में प्रतिदिन रसायनों के अंधाधुंध प्रयोग व जल दोहन से प्राकृतिक संसाधन नष्ट हो रहे हैं। साथ ही भूमि की उर्वरा शक्ति भी घट रही है। इसलिए वैज्ञानिकों को अनुसंधान कार्य करते समय प्राकृतिक संसाधनों के उचित संरक्षण का विशेष ध्यान रखना होगा।

यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बीआर कांबोज ने कही। वे विश्वविद्यालय में ऑनलाइन माध्यम से आयोजित विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, विस्तार विशेषज्ञों एवं हरियाणा सरकार के कृषि अधिकारियों की वर्कशॉप (खरीफ) को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में हरियाणा सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग हरियाणा सरकार की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुनीता मिश्रा विशिष्ट अतिथि मौजूद रही। कार्यशाला में कृषि महानिदेशक डॉ. हरदीप सिंह भी मौजूद रहे।

मुख्य अतिथि ने कहा कि वैज्ञानिकों का दायित्व बनता है कि वे किसानों को भूमि की उर्वरा शक्ति बनाए रखने और मिट्टी में सूक्ष्म तत्वों की कमी को पूरा करने के लिए जागरूक करें। उन्होंने किसानों से फसल विविधिकरण को बढ़ावा देने की अपील की ताकि उनकी आमदनी में इजाफा हो सके। परम्परागत खेती से लागत अधिक व आमदनी कम होती है। इसलिए किसान फसल चक्र को अपनाएं। कुलपति ने भविष्य में इस तरह की कार्यशाला में प्रदेश के प्रगतिशील किसानों को भी शामिल करने का आह्वान किया ताकि प्रदेश के अन्य किसानों को भी इनकी सफलता से प्रेरणा मिल सके। उन्होंने जल संरक्षण के लिए विभिन्न फसलों की बेड प्लांटिंग प्रणाली अपनाने पर जोर दिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा	29.4.2021	--	--

समस्त हरियाणा बृहस्पतिवार, 29 अप्रैल, 2021

प्राकृतिक संसाधनों का उचित संरक्षण समय की मांग : प्रो. काम्बोज

एचएयू वैज्ञानिकों एवं प्रदेश के कृषि अधिकारियों की वर्कशॉप में नई समग्र सिफारिशों के लिए हुआ मंथन

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। वर्तमान समय में फसल उत्पादन बढ़ाने के चक्कर में प्रतिदिन रसायनों के अंधाधुंध प्रयोग व जल दोहन से प्राकृतिक संसाधन नष्ट हो रहे हैं। साथ ही भूमि की उर्वरा शक्ति भी घट रही है। इसलिए वैज्ञानिकों को अनुसंधान कार्य करते समय प्राकृतिक संसाधनों के उचित संरक्षण का विशेष ध्यान रखना होगा। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय में ऑनलाइन माध्यम से आयोजित विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, विस्तार विशेषज्ञों एवं हरियाणा सरकार के कृषि अधिकारियों की वर्कशॉप(खरीफ)को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में हरियाणा सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग हरियाणा सरकार की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुनीता मिश्रा विशिष्ट अतिथि मौजूद रही। कार्यशाला में कृषि महानिदेशक डॉ. हरदीप सिंह, आईएएस भी मौजूद रहे।

मुख्यातिथि ने कहा कि वैज्ञानिकों का दायित्व बनता है कि वे किसानों को भूमि की उर्वरा शक्ति बनाए रखने और मिट्टी में सूक्ष्म तत्वों की कमी को पूरा करने के लिए जागरूक करें।

इस अवसर पर कुलपति ने विश्वविद्यालय द्वारा विकसित विभिन्न किस्मों का खाद्य सुरक्षा में निरंतर योगदान नामक पुस्तक का भी विमोचन किया।

विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास ने वर्कशॉप की विस्तृत जानकारी देते हुए निदेशालय द्वारा आयोजित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों के बारे में अवगत कराया। उन्होंने बताया कि इस वर्कशॉप का आयोजन विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न फसलों के लिए की गई सिफारिशों पर मंथन करते हुए कुछ नई सिफारिशों को लागू करवाने को लेकर किया गया है। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई विभिन्न फसलों की नई किस्मों की जानकारी दी। प्रदेश के कृषि विभाग की विस्तार गतिविधियों को लेकर कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त कृषि निदेशक (विस्तार) डॉ. एस.के. गहलावत ने विस्तारपूर्वक जानकारी दी। कार्यक्रम में कुलसचिव डॉ.राजवीर सिंह, स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. अतुल ढींगड़ा, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. ए.के. छाबड़ा, सह-निदेशक डॉ. सुनील ढांडा के अलावा निदेशक, विभागाध्यक्ष और सभी जिलों के कृषि उपनिदेशक, कृषि अधिकारी ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए।

फसल अवशेष प्रबंधन सबसे बड़ी चुनौती : सुनीता

कार्यशाला को संबोधित करते हुए कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव सुनीता मिश्रा ने कहा कि मौजूदा समय में प्रदेश सरकार के सामने जल संरक्षण और फसल अवशेष प्रबंधन की समस्या ज्वलनशील मुद्दा है। राज्य सरकार ने जल संरक्षण और फसल विविधिकरण के लिए मेरा पानी मेरी विरासत नामक योजना लागू की है जो बहुत ही कारगर साबित हो रही है। इसके अलावा फसल अवशेष प्रबंधन के लिए भी सरकार की ओर से कदम उठाए जा रहे हैं। कृषि महानिदेशक डॉ. हरदीप सिंह, आईएएस ने कहा कि किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए प्रदेश सरकार प्रयासरत है। ऐसे में कृषि अधिकारी किसानों को परम्परागत खेती की बजाय आधुनिक खेती के तौर तरीकों व नवीनतम तकनीकों की जानकारी देते हुए उन्हें जागरूक करें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा	29.04.2021	--	--

प्राकृतिक संसाधनों का उचित संरक्षण समय की मांग : प्रो. काम्बोज

एचएयू वैज्ञानिकों एवं प्रदेश के कृषि अधिकारियों की वर्कशॉप में नई समग्र सिफारिशों के लिए हुआ मंथन

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। वर्तमान समय में फसल उत्पादन बढ़ाने के चक्कर में प्रतिदिन रसायनों के अंधाधुंध प्रयोग व जल दोहन से प्राकृतिक संसाधन नष्ट हो रहे हैं। साथ ही भूमि की उर्वरा शक्ति भी घट रही है। इसलिए वैज्ञानिकों को अनुसंधान कार्य करते समय प्राकृतिक संसाधनों के उचित संरक्षण का विशेष ध्यान रखना होगा। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय में ऑनलाइन माध्यम से आयोजित विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, विस्तार विशेषज्ञों एवं हरियाणा सरकार के कृषि अधिकारियों की वर्कशॉप(खरीफ)को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में हरियाणा सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग हरियाणा सरकार की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुनीता मिश्रा विशिष्ट अतिथि मौजूद रहीं। कार्यशाला में कृषि महानिदेशक डॉ. हरदीप सिंह, आईएएस भी मौजूद रहे।

मुख्यातिथि ने कहा कि वैज्ञानिकों का दायित्व बनता है कि वे किसानों को भूमि की उर्वरा शक्ति बनाए रखने और मिट्टी में सूक्ष्म तत्वों की कमी को पूरा करने के लिए जागरूक करें।

इस अवसर पर कुलपति ने विश्वविद्यालय द्वारा विकसित विभिन्न किस्मों का खाद्य सुरक्षा में निरंतर योगदान नामक पुस्तक का भी विमोचन किया।

विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास ने वर्कशॉप की विस्तृत जानकारी देते हुए निदेशालय द्वारा आयोजित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों के बारे में अवगत कराया। उन्होंने बताया कि इस वर्कशॉप का आयोजन विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न फसलों के लिए की गई सिफारिशों पर मंथन करते हुए कुछ नई सिफारिशों को लागू करवाने को लेकर किया गया है। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई विभिन्न फसलों की नई किस्मों की जानकारी दी। प्रदेश के कृषि विभाग की विस्तार गतिविधियों को लेकर कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त कृषि निदेशक (विस्तार) डॉ. एस.के. गहलावत ने विस्तारपूर्वक जानकारी दी। कार्यक्रम में कुलसचिव डॉ.राजवीर सिंह, स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. अतुल ढींगड़ा, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. ए.के. छाबड़ा, सह-निदेशक डॉ. सुनील ढांडा के अलावा निदेशक, विभागाध्यक्ष और सभी जिलों के कृषि उपनिदेशक, कृषि अधिकारी ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए।

फसल अवशेष प्रबंधन सबसे बड़ी चुनौती : सुनीता

कार्यशाला को संबोधित करते हुए कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव सुनीता मिश्रा ने कहा कि मौजूदा समय में प्रदेश सरकार के सामने जल संरक्षण और फसल अवशेष प्रबंधन की समस्या ज्वलनशील मुद्दा है। राज्य सरकार ने जल संरक्षण और फसल विविधिकरण के लिए मेरा पानी मेरी विरासत नामक योजना लागू की है जो बहुत ही कारगर साबित हो रही है। इसके अलावा फसल अवशेष प्रबंधन के लिए भी सरकार की ओर से कदम उठाए जा रहे हैं। कृषि महानिदेशक डॉ. हरदीप सिंह, आईएएस ने कहा कि किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए प्रदेश सरकार प्रयासरत है। ऐसे में कृषि अधिकारी किसानों को परम्परागत खेती की बजाय आधुनिक खेती के तौर तरीकों व नवीनतम तकनीकों की जानकारी देते हुए उन्हें जागरूक करें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	29.04.2021	--	--

प्राकृतिक संसाधनों का उचित संरक्षण समय की मांग : प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज

हैलो हिसार न्यूज

हिसार : वर्तमान समय में फसल उत्पादन बढ़ाने के चक्कर में प्रतिदिन रसायनों के अंधाधुंध प्रयोग व जल दोहन से प्राकृतिक संसाधन नष्ट हो रहे हैं। साथ ही भूमि की उर्वरा शक्ति भी घट रही है। इसलिए वैज्ञानिकों को अनुसंधान कार्य करते समय प्राकृतिक संसाधनों के उचित संरक्षण का विशेष ध्यान रखना होगा। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय में ऑनलाइन माध्यम से आयोजित विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, विस्तार विशेषज्ञों एवं हरियाणा

सरकार के कृषि अधिकारियों की वर्कशॉप (खरीफ) को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में हरियाणा सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग हरियाणा सरकार की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुनीता मिश्रा विशिष्ट अतिथि मौजूद रही। कार्यशाला में कृषि महानिदेशक डॉ. हरदीप सिंह, आईएएस भी मौजूद रहे। मुख्यातिथि ने कहा कि वैज्ञानिकों का दायित्व बनता है कि वे किसानों को भूमि की उर्वरा शक्ति बनाए रखने और मिट्टी में सूक्ष्म तत्वों की कमी को पूरा करने के लिए जागरूक करें। उन्होंने किसानों से फसल विविधिकरण को बढ़ावा देने की अपील की ताकि उनकी आमदनी में इजाफा हो सके। परम्परागत खेती से लागत अधिक व आमदनी कम होती है। इसलिए किसान फसल चक्र को अपनाएं। कुलपति ने भविष्य में इस तरह की कार्यशाला में प्रदेश के प्रगतिशील किसानों को भी शामिल करने का आह्वान किया ताकि प्रदेश के अन्य किसानों को भी इनकी सफलता से प्रेरणा मिल सके। उन्होंने जल संरक्षण के लिए विभिन्न फसलों की बेड प्लांटिंग प्रणाली अपनाने पर जोर दिया। इस अवसर पर कुलपति ने विश्वविद्यालय द्वारा विकसित विभिन्न किस्मों का खाद्य सुरक्षा में निरंतर योगदान नामक पुस्तक का भी विमोचन किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष	29.04.2021	--	--

अनुसंधान के बेहतर परिणामों के लिए सामूहिक प्रयास कारगर : प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज

एचएयू में रिफ्रेशर कोर्स का समापन, देशभर के वैज्ञानिकों ने लिया हिस्सा

फोटो एचएयू

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 29 अप्रैल : किसी भी अनुसंधान के बेहतर परिणामों को हासिल करने के लिए वैज्ञानिकों द्वारा किए जाने वाले सामूहिक प्रयास कारगर साबित होते हैं। इसलिए वैज्ञानिक विभिन्न संकायों व संस्थाओं के सहयोग से अनुसंधान को आगे बढ़ाएं ताकि किसान समुदाय को इनका अधिक से अधिक लाभ मिल सके। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की ओर से अनुसंधान प्रबंधन विषय पर ऑनलाइन माध्यम से आयोजित तीन सप्ताह के रिफ्रेशर कोर्स के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि वैश्विक कोरोना महामारी से उत्पन्न हुई परिस्थितियों से घबराने की बजाए इन्हें अवसर में बदलने का समय है। इसलिए यह केवल दिनांक बदलने का समय नहीं है बल्कि दिशा बदलने का समय है। उन्होंने कहा कि यह सब वैज्ञानिकों के सकारात्मक रवैये, विश्वास, लक्ष्य और दृढ़ संकल्प से ही संभव हो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	28.04.2021	--	--

कोरोना महामारी से उत्पन्न हुई परिस्थितियों को अवसर में बदलने का समय : कुलपति

हिसार/28 अप्रैल/रिपोर्टर

किसी भी अनुसंधान के बेहतर परिणामों को हासिल करने के लिए वैज्ञानिकों द्वारा किए जाने वाले सामूहिक प्रयास कारगर साबित होते हैं। इसलिए वैज्ञानिक विभिन्न संकायों व संस्थाओं के सहयोग से अनुसंधान को आगे बढ़ाएं ताकि किसान समुदाय को इनका अधिक से अधिक लाभ मिल सके। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने कहे। वे मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की ओर से अनुसंधान प्रबंधन विषय पर ऑनलाईन माध्यम से आयोजित तीन सप्ताह के रिफ्रेशर कोर्स के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि वैश्विक कोरोना महामारी से उत्पन्न हुई परिस्थितियों से घबराने की बजाए इन्हें अवसर में बदलने का समय है। इसलिए यह केवल दिनांक बदलने का समय नहीं है बल्कि दिशा बदलने का समय है। उन्होंने कहा कि यह सब वैज्ञानिकों के सकारात्मक रवैये, विश्वास, लक्ष्य और दृष्ढ़ संकल्प से ही संभव हो सकता है। इस कोर्स से हासिल ज्ञान को प्रतिभागी व्यवहारिक रूप से अपनाते हुए इसका अधिक से अधिक लाभ उठाएं। साथ ही यहां से सीखी गई इन तकनीकों के उपयोग से वैज्ञानिकों को विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों व तकनीकों को विकसित करने में मदद मिलेगी जो किसानों के लिए भी फायदेमंद होंगी। स्नातकोत्तर अधिष्ठाता एवं मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने वर्तमान समय में अनुसंधान प्रबंधन को लेकर वैज्ञानिकों से आधुनिक तकनीकों से सांमजस्य बैठाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक स्वयं को नई-नई तकनीकों के साथ जोड़ें ताकि वे अनुसंधान के क्षेत्र में मौजूदा परिस्थितियों को ध्यान में रखकर बेहतर तरीके से कार्य कर सकें। पाठ्यक्रम संयोजिका डॉ. मंजू मेहता ने प्रतिभागियों व अतिथियों का स्वागत किया और रिफ्रेशर कोर्स के दौरान कराई गई गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। इस पाठ्यक्रम में 48 प्रतिभागियों ने देशभर से हिस्सा लिया, जिसमें से 27 प्रतिभागी हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और 21 प्रतिभागी देश के विभिन्न राज्यों से थे। पाठ्यक्रम संयोजिका डॉ. अंजू कुमारी ने मंच का संचालन करते हुए धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे	29.4.2021	--	--

एचएयू के समय में बदलाव, एक मई से 8 बजे से दोपहर एक बजे तक खुलेंगे कार्यालय

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कार्यालय एक मई से प्रातः 8 बजे से दोपहर एक बजे तक खुले रहेंगे। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. राजवीर सिंह ने बताया कि एक मई से विश्वविद्यालय के कार्यालय खुलने के समय में बदलाव कर दिया गया है, इसके बाद कार्यालय खुलने का समय सुबह 8 बजे से दोपहर एक बजे तक रहेगा और यह समय प्रशासन के आगामी आदेश तक प्रभावी रहेगा। मौजूदा समय में पिछले कुछ दिनों से लगातार बढ़ रहे कोरोना केस व विश्वविद्यालय में मिले संक्रमित कर्मचारियों की संख्या को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन ने कार्यालय के समय को कम करने का फैसला लिया है। कोरोना के संक्रमण को रोकने के लिए कोविड-19 संबंधी केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों की सख्ती से अनुपालना की जा रही है। उन्होंने बताया कि इस दौरान फैकल्टी हाउस, फैकल्टी क्लब, कर्मचारी कम्युनिटी सेंटर और किसान आश्रम की सेवाएं बंद रहेंगी।

वाहनों के साथ केवल एक नंबर गेट से ही कर सकेंगे प्रवेश

उन्होंने बताया कि अब विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए केवल एक नंबर गेट ही खुला रहेगा। इसके लिए भी गेट पास व पहचान-पत्र दिखाना अनिवार्य होगा। विश्वविद्यालय का कैंपस हॉस्पिटल पहली शिफ्ट में प्रातः 8 बजे से दोपहर 12 बजे और दूसरी शिफ्ट में सांयकाल 4 बजे से साढ़े पांच बजे तक खुला रहेगा। इसके अलावा विश्वविद्यालय में आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति के लिए दुकानें व बुथ जिला प्रशासन द्वारा जारी हिदायतों अनुसार ही खोले जाएंगे। इसके अलावा कार्यालय में आने वाले कर्मचारियों को केंद्र व राज्य सरकार द्वारा कोरोना के संबंध में जारी सभी हिदायतों का सख्ती से पालन करना होगा। इसके लिए कर्मचारियों की बैठने की व्यवस्था इस प्रकार करनी होगी कि उनके बीच की दूरी 6 फीट अनिवार्य हो। किसी भी कर्मचारी को केवल अति आवश्यक कार्य होने पर ही दूसरे कार्यालय में जाने की अनुमति होगी।